इरेडा और टीएचडीसीआईएल ने हरित ऊर्जा के सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली, 03 दिसंबर, 2021

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था लिमिटेड (इरेडा) ने अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं को विकसित करने में अपनी तकनीकी-वित्तीय विशेषज्ञता प्रदान करने के लिए आज टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड (टीएचडीसीआईएल) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया ।

इरेडा के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी), श्री प्रदीप कुमार दास और टीएचडीसीआईएल के सीएमडी, श्री राजीव कुमार विश्नोई ने इरेडा के निदेशक (तकनीकी), श्री चिंतन शाह और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

समझौता ज्ञापन के तहत, इरेडा द्वारा टीएचडीसीआईएल के लिए अक्षय ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता और संरक्षण परियोजनाओं की तकनीकी-वित्तीय ड्यू डिलिजेंट का कार्य किया जाएगा । इरेडा द्वारा टीएचडीसीआईएल को अगले 5 वर्षों के लिए अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के सृजन करने और इसे प्राप्त करने के लिए एक कार्य योजना विकसित करने में सहायता करेगा। इरेडा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत ई एवं एस मानकों के अनुसार आरई परियोजनाओं के पर्यावरणीय और सामाजिक (ई एवं एस) की ड्यू डिलिजेंट के लिए टीएचडीसीआईएल को अपनी तकनीकी-वाणिज्यिक विशेषज्ञता प्रदान भी करेगा।

इस अवसर पर बोलते हुए, इरेडा के सीएमडी ने कहा कि "यह समझौता ज्ञापन टीएचडीसीआईएल को अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में अपने फूटप्रिंटों को बढ़ाने के लिए सहयोग करेगा, जिसके पास पहले से ही हाइड्रो और थर्मल के अलावा सौर और पवन ऊर्जा परियोजनाओं का पोर्टफोलियो है। यह ज्ञान हस्तांतरण की सुविधा प्रदान करेगा, जोकि हरित ऊर्जा के माध्यम से देश के सतत विकास को आगे बढ़ाने में योगदान देगा।"

श्री दास ने यह भी रेखांकित किया कि “माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी के विजन को साकार करते हुए, भारत में वर्ष 2030 तक कार्बन उत्सर्जन को 45% तक कम करना है और ये सहयोग हमें पेरिस समझौते के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए योगदान करने में सक्षम बनाएगा । साथ ही, ये प्रयास हरित निवेश को प्रोत्साहित कर सकते हैं और लाखों की संख्या में नौकरियां पैदा कर सकते हैं।”

आरई और ऊर्जा संक्रमण के विकासकर्ताओं के लिए अपनी परामर्श सेवाएं प्रदान करने के लिए एक वर्ष के भीतर इरेडा द्वारा हस्ताक्षरित यह छठा समझौता ज्ञापन है। इससे पहले, इरेडा ने हरित ऊर्जा परियोजनाओं के लिए अपनी तकनीकी-वित्तीय विशेषज्ञता प्रदान करने के एसजेवीएन, एनएचपीसी, टैंजेडको, नीपको और बीवीएफसीएल के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए थे।